Date: 30.5.2022	**Publication:** Dainik Bhaskar (Hindi)
Page no: 9|5	**Edition:** New Delhi |Chandigarh
Headline: Increasing online fraud, cyber insurance can be effective	

बीमा की बात

बढ़ रहा ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर इंश्योरेंस हो सकता है कारगर

जैसे-जैसे साइबर और डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ रहा है, साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। कोविड के दौरान ऑनलाइन या डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़े। इसके चलते साइबर फ्रॉड में कई गुना बढ़ोतरी हो गई है। साइबर अपराधी कई तरीकों से आपके कीमती डेटा, पहचान इत्यादि की चोरी कर सकते हैं या उनको नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे बचने के लिए साइबर इंश्योरेंस लेना समझदारी भरा फैसला हो सकता है।

क्या है साइबर इंश्योरेंस?

साइबर इंश्योरेंस साइबर फ्रॉड से नुकसान की भरपाई के अलावा तीसरे पक्ष के दावे की वजह से आई वित्तीय देनदारियों को भी कवर करता है। कॉम्प्रिहेंसिव साइबर इंश्योरेंस प्लान किसी साइबर हमले का शिकार होने के बाद मानसिक आघात, तनाव या घबराहट की वजह से ली गई चिकित्सकीय काउंसलिंग को भी कवर करता है।

कवर होने वाली प्रमुख चीजें

- ईमेल स्पूफिंग, फिशिंग के चलते हुआ नुकसान
- बैंक अकाउंट, डेबिट या क्रेडिट कार्ड या ई-वॉलेट से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में धोखाधड़ी
- गोपनीयता पर हमले से प्रतिष्ठा का नुकसान
- पहचान की चोरी के बाद मुकदमेबाजी की लागत से जुड़े नुकसान और खर्च
- डेटा या कंप्यूटर प्रोग्राम को हुए नुकसान के बाद रिस्टोरेशन और इंस्टॉलेशन खर्च
- तीसरे पक्ष के दावे के बाद कोर्ट में पेशी के लिए परिवहन में किया गया खर्च

टीए रामालिंगम, चीफ टेक्निकल ऑफिसर, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस